कानपुर, मंगलवार, 14 अप्रैल, 2026
वर्ष: 03, अंक: 93, पृष्ठ: 8+4

सच्चाई के दम पर
जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड न्यूनतम मजदूरी में अंतरिम बढ़ोतरी लागू...>Pg12

100 करोड़ के सट्टा-साइबर सिंडीकेट का खेल बेनकाब...>Pg03

मूल्य: 2 ₹

नीतीश युग समाप्त, भाजपा का 'सम्राट' राज शुरू

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

पटना। बिहार की राजनीति में बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिला है। लंबे समय तक सत्ता के केंद्र में रहे नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है और अब वे सक्रिय राज्य राजनीति से हटकर राज्यसभा की भूमिका निभाएंगे। उनके इस फैसले ने राज्य की सियासत में नई हलचल पैदा कर दी है। इस्तीफे के बाद भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार अपने नेता को मुख्यमंत्री पद की कमान सौंपी है। विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री चुना गया। इस फैसले के साथ ही बिहार में भाजपा की प्रत्यक्ष सत्ता स्थापना का नया अध्याय शुरू हो गया है।

राजधानी पटना में हुई बैठक में केंद्रीय नेतृत्व की सक्रिय भूमिका भी देखने को मिली। केंद्र सरकार में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान विशेष रूप से दिल्ली से पटना पहुंचे और विधायकों के साथ विचार-विमर्श कर नई सरकार के गठन को अंतिम रूप दिया। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने से बिहार की राजनीति में पीढ़ीगत बदलाव के संकेत भी स्पष्ट हो रहे हैं। भाजपा अब राज्य में अपनी स्वतंत्र पहचान के साथ शासन चलाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। वहीं, नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना उनके लंबे राजनीतिक करियर के नए चरण की शुरुआत माना जा

रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह बदलाव केवल नेतृत्व परिवर्तन नहीं, बल्कि बिहार के राजनीतिक समीकरणों का पुनर्गठन है। भाजपा अब राज्य में पूर्ण नियंत्रण के साथ अपनी नीतियों को लागू करने की स्थिति में है, जबकि अन्य दलों के लिए यह नई रणनीति बनाने का समय है। यह राजनीतिक परिवर्तन बिहार के लिए एक नए दौर की शुरुआत है, जिसमें सत्ता, रणनीति और नेतृत्व तीनों स्तरों पर बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

भाजपा की रणनीतिक जीत

भाजपा लंबे समय से बिहार में शीर्ष नेतृत्व चाहती थी। सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाना पार्टी की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जो 2029 तक के चुनावी लक्ष्य को साधने की कोशिश है।

- नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से दिया इस्तीफा
- राज्यसभा की ओर किया रुख, सक्रिय राजनीति में बदलाव
- भाजपा ने पहली बार अपना मुख्यमंत्री बनाया
- सम्राट चौधरी विधायक दल के नेता चुने गए
- केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अहम भूमिका
- बिहार की राजनीति में नए समीकरणों का उदय

सत्ता संतुलन में बदलाव

नीतीश कुमार के हटने से बिहार की राजनीति में वर्षों से बना संतुलन टूट गया है। अब भाजपा पूरी तरह से सत्ता के केंद्र में आ गई है, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया अधिक केंद्रीकृत हो सकती है।

विपक्ष के लिए चुनौती

इस बदलाव के बाद विपक्ष के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। अब उन्हें मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट रणनीति के साथ जनता के बीच जाना होगा, क्योंकि भाजपा अब सीधे सत्ता में है और जवाबदेही भी उसी की होगी।

300 से ज्यादा गिरफ्तार, 50 सोशल मीडिया हैंडल रडार पर, मजदूरी बढ़ोतरी के बाद भी तनाव बरकरार

पथराव, गिरफ्तारियां और सख्ती, फ्लैग मार्च के बीच हालात काबू में

नोएडा में बवाल का दूसरा दिन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नोएडा। औद्योगिक इलाकों में फैक्ट्री कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन मंगलवार को दूसरे दिन भी उग्र रूप में सामने आया। सुबह से ही कई सेक्टरों में कर्मचारी समूह बनाकर सड़कों पर उतर आए। पुलिस ने जब उन्हें रोकने और समझाने का प्रयास किया तो कुछ स्थानों पर हालात तनावपूर्ण हो गए और झड़प की स्थिति बन गई। इसी दौरान भीड़ के एक हिस्से ने 2-3 जगहों पर पुलिस वाहनों पर पथराव कर दिया, जिससे अफरातफरी मच गई।

हालांकि, पुलिस ने त्वरित और सख्त कार्रवाई करते हुए हालात को ज्यादा बिगड़ने नहीं दिया। मौके पर अतिरिक्त फोर्स भेजी गई और प्रदर्शनकारियों को खदेड़कर सड़कों को

खाली कराया गया। संवेदनशील इलाकों में लगातार पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है, ताकि किसी भी नए बवाल को तुरंत रोका जा सके।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों ने सुबह 5 बजे से ही फ्लैग मार्च शुरू कर दिया। पीएसी और आरएएफ की करीब 16 टुकड़ियां औद्योगिक क्षेत्रों में तैनात हैं। पूरे इलाके की निगरानी हाईटेक तरीके से की जा रही है सीसीटीवी कैमरों के साथ-साथ ड्रोन के जरिए भीड़ की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

राज्य के डीजीपी राजीव कृष्ण ने साफ तौर पर कहा है कि हिंसा और आगजनी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों से उसकी भरपाई भी कराई जाएगी। पुलिस ने उपद्रवियों की पहचान के लिए वीडियो फुटेज और डिजिटल साक्ष्यों को खंगालना शुरू कर दिया है। वहीं, पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बताया कि अब तक 300 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और यह संख्या बढ़ सकती है। उन्होंने खुलासा किया कि करीब 50 ङ्ग (ट्विटर) हैंडल ऐसे चिन्हित किए गए हैं, जिनके जरिए लोगों को उकसाने और भीड़ जुटाने की कोशिश की गई। पुलिस की साइबर सेल इन अकाउंट्स की गहराई से जांच कर रही है। प्रशासन को यह भी संदेह है कि कुछ उपद्रवी अलग-अलग जगहों पर सक्रिय होकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे, जिससे यह मामला केवल स्थानीय असंतोष तक सीमित न रहकर संगठित साजिश की ओर इशारा करता है

इस बीच, हालात को शांत करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए फैक्ट्री कर्मचारियों की न्यूनतम मजदूरी में 3000 रुपये तक की बढ़ोतरी कर दी है। नई दरें 1 अप्रैल से लागू कर दी गई हैं। यह फैसला सोमवार देर रात हाईलेवल कमेटी और कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के बीच हुई बैठक के बाद लिया गया। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर असंतोष पूरी तरह खत्म होता नहीं दिख रहा है। कई कर्मचारी संगठनों का कहना है कि सिर्फ वेतन वृद्धि से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि कार्य स्थितियों, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं पर भी ध्यान देना जरूरी है।गौरतलब है कि इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत सोमवार को हुई थी, जब करीब 42 हजार कर्मचारी वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए थे। इस दौरान हिंसा भड़क गई और 350 से अधिक फैक्ट्रियों में तोड़फोड़ की गई। 50 से ज्यादा गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया, जबकि 150 से अधिक वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस पर भी जमकर पथराव हुआ था, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया था। फिलहाल, प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त फोर्स तैनात रखी गई है। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही हालात पूरी तरह सामान्य कर लिए जाएंगे।

अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस

शहीदों को नमन, सुरक्षा जागरूकता का संदेश लेकर निकली रैली

1944 के भीषण अग्निकांड में बलिदान देने वाले अग्निशमन कर्मियों की वीरता को किया गया याद

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस के अवसर पर मंगलवार को जनपद में शहीद अग्निशमन कर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वर्ष 1944 में मुंबई के एसएस फोर्ट स्टिकाइन जहाज में हुए भीषण विस्फोट और आगजनी की घटना में अपने प्राणों की आहुति देने वाले 66 वीर अग्निशमन कर्मियों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को पूरे सम्मान के साथ याद किया गया।

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल के निर्देशन में जनपद के सभी अग्निशमन केंद्रों पर शोक परेड आयोजित की गई। परेड के दौरान दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को नमन किया गया और उनके बलिदान को सदैव स्मरण रखने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अग्निशमन सेवाओं की महत्ता और जोखिम भरे कर्तव्यों को रेखांकित किया।

प्रातः 10ः30 बजे पुलिस आयुक्त द्वारा हरी झंडी दिखाकर अग्नि सुरक्षा जन-जागरूकता रैली का शुभारंभ किया गया।

यह रैली शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों से होकर गुजरी, जहां लोगों को आग से बचाव के उपायों और आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली सावधानियों के बारे में जानकारी दी गई।

रैली के माध्यम से नागरिकों को गैस सिलेंडर के सुरक्षित उपयोग, विद्युत उपकरणों के रख-रखाव, आग लगने की स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया और अग्निशमन विभाग को समय पर सूचना देने के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि वे सुरक्षा नियमों का पालन करें और किसी भी लापरवाही से बचें, जिससे बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सके।इस मौके पर अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. विपिन ताडा एवं पुलिस उपायुक्त लाइन्स श्रीमती शिवा सिंह भी उपस्थित रहीं।

दोनों अधिकारियों ने अग्निशमन कर्मियों की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि उनका समर्पण समाज के लिए प्रेरणा है। अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस न केवल शहीदों को श्रद्धांजलि देने का अवसर है, बल्कि यह दिन आमजन को सुरक्षा के प्रति सजग रहने का संदेश भी देता है।

प्लास्टिक दाना व्यापारियों से करोड़ों की ठगी, एफआईआर दर्ज कराने की मांग तेज

» पुष्पेंद्र जायसवाल के नेतृत्व में पीड़ित व्यापारियों ने एसीपी से की मुलाकात, बयान दर्ज कर कार्रवाई की सिफारिश

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। प्लास्टिक दाना व्यापारियों के साथ हुई करोड़ों रुपये की ठगी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस संबंध में अखिल भारतीय स्वर्णकार विकास परिषद के अध्यक्ष एवं कानपुर व्यापारी एसोसिएशन के महामंत्री पुष्पेंद्र जायसवाल के नेतृत्व में पीड़ित व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल एसीपी बाबूपुरवा दिलीप कुमार से मिला।

प्रतिनिधिमंडल ने एसीपी को पूरे मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए आरोपियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कराने की मांग की। व्यापारियों ने बताया कि सुनियोजित तरीके से उन्हें झांसे में लेकर भारी रकम की ठगी की गई है, जिससे व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं और कई लोग आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं।एसीपी दिलीप कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी पीड़ित व्यापारियों के बयान दर्ज कराए और जांच के आधार पर एफआईआर दर्ज करने की संस्तुति की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।इस दौरान शिवकुमार, मोहित, हरिशंकर जायसवाल, आशीष मोदी, एस.के. सिंह, आनंद अग्रवाल, उत्कर्ष वर्मा और विजय जायसवाल समेत कई पीड़ित व्यापारी मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर न्याय की मांग की और प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा जताई।व्यापारियों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और जल्द ही आगे की कार्रवाई होने की उम्मीद जताई जा रही है।

चलती ट्रेन में ममता की जीत

कानपुरः आरपीएफ की तत्परता से सुरक्षित जन्मी नन्ही जिंदगी

» कानपुर सेंट्रल पर ऑपरेशन 'मातृशक्ति' बना वरदान

» महिला स्टाफ और डॉक्टरों की मुस्तैदी से जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कानपुर सेंट्रल की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई ने एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश की है। चलती ट्रेन में प्रसव पीड़ा से जूझ रही एक गर्भवती महिला को समय रहते सहायता पहुंचाकर आरपीएफ ने न सिर्फ उसकी जान बचाई, बल्कि एक नवजीवन को सुरक्षित इस दुनिया में आने का अवसर भी दिया।

घटना सोमवार की है, जब ट्रेन संख्या 12368 प्लेटफॉर्म पर पहुंची ही थी कि सूचना मिली कि एक महिला को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई है। सूचना मिलते ही [illegible] की महिला कांस्टेबल रश्मि सचान और विनीता बिना देर किए मौके पर पहुंचीं। उन्होंने घबराई महिला को संभाला और हालात का जायजा लिया।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल चिकित्सा सहायता बुलाई गई। मौके पर मौजूद मधुराज हॉस्पिटल के डॉक्टर विवेक अपनी टीम के साथ पहुंचे और प्राथमिक जांच के बाद महिला को स्ट्रेचर के जरिए प्लेटफॉर्म संख्या-1 स्थित अस्पताल पहुंचाया गया। तेज प्रसव पीड़ा के बीच डॉक्टरों की निगरानी में सुरक्षित डिलीवरी करवाई गई, जहां महिला ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। महिला की पहचान सीता देवी (27), निवासी ग्राम इब्राहिमपुर, थाना बिंद, जिला नालंदा (बिहार) के रूप में हुई है। इस दौरान उनके परिजन भी साथ मौजूद रहे, जिन्होंने आरपीएफ और डॉक्टरों का दिल से आभार जताया।

प्राथमिक उपचार के बाद जच्चा-बच्चा को बेहतर देखभाल के लिए उर्सुला अस्पताल रेफर किया गया, जहां एम्बुलेंस के जरिए उन्हें भेजा गया। आरपीएफ की इस मानवीय पहल की हर ओर सराहना हो रही है—जहां ड्यूटी के साथ संवेदनशीलता का बेहतरीन तालमेल देखने को मिला।

इण्टक ने मनाई बाबा साहेब की जयंती, प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

» राजापुरवा में आयोजित कार्यक्रम में संविधान के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इण्टक) द्वारा मंगलवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुशील कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में राजापुरवा बस्ती स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुशील कुमार द्विवेदी ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, ज्ञान और दृढ़ संकल्प का प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में जन्म लेकर अपनी मेहनत और शिक्षा के बल पर समाज को एक नई दिशा स्थापित की। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब का जन्म मध्य प्रदेश के महू में एक साधारण दलित परिवार में हुआ था, लेकिन उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मुंबई में प्राप्त कर उच्च शिक्षा के लिए विदेश का रुख किया।द्विवेदी ने कहा कि भारत लौटने के बाद बाबा साहेब ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष किया और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए आजीवन कार्य किया। संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने देश को एक मजबूत और समतामूलक संविधान दिया। स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में भी उनका योगदान अतुलनीय रहा। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि देश की मजबूती के लिए बाबा साहेब के बताए मार्ग और संविधान का पूर्ण रूप से पालन करना आवश्यक है। इस मौके पर हेमंत शर्मा, तुषार शास्त्री, सुधीर मिश्रा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कानपुर में 100 करोड़ के सट्टा-साइबर सिंडीकेट का खेल बेनकाब

ओला-उबर में घूमकर पेमेंट, व्हाट्सएप से कंट्रोल और दुबई कनेक्शन, 8 शातिर गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कमिश्नरेट पुलिस ने एक ऐसे शातिर नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, जिसने सट्टेबाजी, साइबर ठगी और डिजिटल पेमेंट सिस्टम को मिलाकर करोड़ों का 'क्लीन मनी गेम' खड़ा कर रखा था। पुलिस ने इस सिंडीकेट से जुड़े 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो इंटरनेशनल सट्टा गैंग के 'फाइनेंशियल ऑपरेटर्स' के रूप में काम कर रहे थे।

जांच में खुलासा हुआ है कि यह गैंग प्रतिबंधित बेटिंग ऐप्स लोटस 365, रेड्डी बुक, कार्तिकेयऔर दुबई एक्सह के जरिए लोगों को पहले जीत का झांसा देता था, फिर बड़ी रकम डुबोकर ठगी करता था। इसके बाद जीतने वालों को जो पैसा भेजा जाता था, वह असल में साइबर ठगी की रकम होती थी, जिसे यह गैंग बेहद शातिर तरीके से खपा देता था। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सिर्फ 3 महीनों में इस नेटवर्क के खातों में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का ट्रांजेक्शन सामने आया है। पुलिस ने फिलहाल 50 लाख रुपये फ्रीज कर दिए हैं और बाकी नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

कैब में बैठकर 'क्लीन मनी ऑपरेशन': पुलिस के अनुसार, यह गैंग खुद को ट्रैक होने से बचाने के लिए ओला, उबर या किराए की टैक्सियों में घूम-घूमकर काम करता था। जैसे ही व्हाट्सएप ग्रुप में किसी 'विजेता' की डिटेल आती, आरोपी अलग-अलग लोकेशन से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर देते थे। इस तकनीक से वे न सिर्फ लोकेशन छिपाते थे, बल्कि डिजिटल ट्रेल को भी भ्रमित कर देते थे। यानी एक तरह से 'मोबाइल मनी लॉन्ड्रिंग यूनिट' सड़क पर ही चल रही थी।

पहले जिताओ, फिर डुबाओः सट्टे का साइकोलॉजिकल ट्रैप

गैंग सोशल मीडिया के जरिए बेटिंग ऐप्स का प्रचार करता था। नए यूजर्स को शुरुआत में छोटी रकम जिताकर भरोसा बनाया जाता था। लेकिन जैसे ही कोई बड़ी रकम लगाता, उसे एल्गोरिदम के जरिए हरा दिया जाता था। इस तरह लाखों रुपये गंवाने वाले कई युवाओं ने आत्महत्या तक कर ली, जबकि हजारों परिवार आर्थिक रूप से तबाह हो गए।

ट्रेनिंग लेकर बने 'डिजिटल एजेंट'

पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए सभी आरोपी 25 से 50 हजार रुपये मासिक सैलरी पर काम कर रहे थे। इन्हें पहले साइबर ठगों द्वारा बाकायदा ट्रेनिंग दी गई, जिसमें फर्जी खातों का इस्तेमाल, ट्रांजेक्शन छिपाना और पुलिस से बचने के तरीके सिखाए गए।

बरामदगी ने खोली पोल

छापेमारी में पुलिस को भारी मात्रा में डिजिटल और बैंकिंग सबूत मिले हैं, जिनमें 26 बैंक खातों की पासबुक, 79 खातों की डिटेल, 30 एक्टिव सिम कार्ड, 25 मोबाइल फोन, एटीएम, ड्राइविंग लाइसेंस सहित दस्तावेज और एक कार और 50 लाख रुपये से अधिक कैश बरामद किया है।

दुबई-दिल्ली-नोयडा से चलता था खेल

पूछताछ में सामने आया कि इस गिरोह का मास्टरमाइंड दुबई, दिल्ली और नोएडा में बैठकर पूरे नेटवर्क को ऑपरेट कर रहा था। गैंग के सदस्यों को पहले आईडी खरीदनी पड़ती थी, जिसके बाद उन्हें सट्टा खिलाने और पेमेंट ट्रांसफर की जिम्मेदारी दी जाती थी। गिरफ्तार आरोपी 'ब्रांच-24' नाम के मॉड्यूल का हिस्सा थे, जो खासतौर पर जीतने वालों को पैसा ट्रांसफर करने का काम करता था।

'ऑपरेशन ब्रांच-24' के अंदर की कहानी

- **साइबर ठगी का 'रीसायकल मॉडल':** ठगी की रकम को सट्टा जीत के रूप में दिखाकर सफेद किया जाता था।
- **चलती-फिरती बैंकिंग यूनिट:** कैब में बैठकर ट्रांजेक्शन कर पुलिस की नजर से बचते थे।
- **व्हाट्सएप कंट्रोल रूम:** पूरा नेटवर्क सिर्फ मैसेज के जरिए ऑपरेट होता था, कोई फिक्स लोकेशन नहीं।
- **फर्जी खातों का जाल:** दर्जनों बैंक खातों और सिम कार्ड के जरिए पहचान छिपाई जाती थी।
- **इंटरनेशनल सिंडीकेट कनेक्शन:** दुबई से ऑपरेशन, भारत में एजेंट–पूरी तरह संगठित अपराध मॉडल।
- **यूथ टारगेटिंग स्ट्रैटेजी:** सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को फंसाया जाता था।
- **एल्गोरिदम से 'फिक्स गेम':** बड़ी रकम लगाते ही हार सुनिश्चित करने का सॉफ्टवेयर मैकेनिज्म।

> यह सिर्फ एक मॉड्यूल का खुलासा है, असली नेटवर्क इससे कहीं बड़ा हो सकता है। पुलिस अब अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन खंगाल रही है, जिससे आने वाले दिनों में और बड़े खुलासे संभव हैं।
>
> **रघुवीर लाल, पुलिस कमिश्नर**

बीएससी छात्र ने फांसी लगाकर दी जान, कमरे में मिला शव

कल्याणपुर में किराए के कमरे में रह रहा था छात्र, पुलिस जांच में जुटी

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर क्षेत्र में मंगलवार को बीएससी द्वितीय वर्ष के एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी उस समय हुई जब साथ रहने वाला दोस्त सुबह उसे जगाने पहुंचा, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी देर खटखटाने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर खिड़की से झांककर देखा गया, जहां छात्र का शव पंखे से लटका मिला।

मृतक की पहचान कन्नौज जनपद के ठठिया गांव निवासी 25 वर्षीय प्रांजुल सिंह के रूप में हुई है। वह पिछले दो वर्षों से कल्याणपुर के आवास विकास क्षेत्र में किराए के कमरे में रहकर पीपीएन कॉलेज से बीएससी द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। परिजनों के अनुसार, सोमवार रात करीब नौ बजे उसकी फोन पर बातचीत हुई थी, जिसमें उसने तबीयत खराब होने की बात कहकर सोने की बात कही थी।

मृतक की फाइल फोटो

सुबह फोन न उठने पर परिजनों ने उसके मित्र रोहन को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसीपी कल्याणपुर आशुतोष कुमार व फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। फिलहाल परिजनों ने किसी प्रकार का आरोप नहीं लगाया है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यूट्यूब से सीखी एटीएम ठगी, प्लेट-टेप लगाकर पैसे उड़ाने वाला आरोपी रंगे हाथ पकड़ा

पीड़ित की सूझबूझ से खुली ठगी की पोल, आरोपी के पास से चाकू, टेप व नकदी बरामद

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र में एटीएम से ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां यूट्यूब के जरिए सीखी गई तरकीब से पैसे निकालने वाले आरोपी को पीड़ित ने ही रंगे हाथ पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी एटीएम मशीन में प्लेट और टेप लगाकर ग्राहकों के पैसे फंसाता था और बाद में उन्हें निकाल लेता था।

आवास विकास निवासी अमित कुमार यादव, जो कि सरकारी शिक्षक हैं और वर्तमान में बिल्हौर में तैनात हैं, मंगलवार को पनकी रोड स्थित इंडियन बैंक के एटीएम पर पैसे निकालने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि जैसे ही उन्होंने एटीएम कार्ड लगाकर पिन डाला, उनके खाते से 1000 रुपए कटने का मैसेज आया, लेकिन मशीन से पैसे नहीं निकले। संदेह होने पर वह कुछ देर बाद वापस लौटे तो देखा कि एक युवक एटीएम में प्लेट लगाकर पैसे निकालने की कोशिश कर रहा है।

अमित ने तुरंत उसे पकड़ लिया, जिस पर आरोपी भागने लगा। शोर मचाने पर राहगीरों की मदद से उसे दबोच लिया गया और डायल 112 पर सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम सुधीर कुमार गौतम निवासी बैरी रूरा, थाना रूरा, जनपद कानपुर देहात बताया। तलाशी के दौरान पुलिस को उसके पास से चाकू, टेप, फेवीक्विक और पीड़ित के 1000 बरामद हुए। आरोपी ने खुलासा किया कि उसने यह तरीका अपने दोस्त विकास से सीखा, जिसने उसे यूट्यूब के माध्यम से यह ट्रिक बताई थी। वह पहले भी कई स्थानों पर इस तरह की वारदात कर चुका है।आरोपी ने यह भी बताया कि वह सुबह 10 बजे से पहले ही वारदात को अंजाम देता था, क्योंकि इसके बाद बैंक खुलने पर सीसीटीवी फुटेज की जांच का खतरा बढ़ जाता था। कल्याणपुर प्रभारी निरीक्षक ट्रेनी आईपीएस सुमेध मिलिंद जाधव ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और उसके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

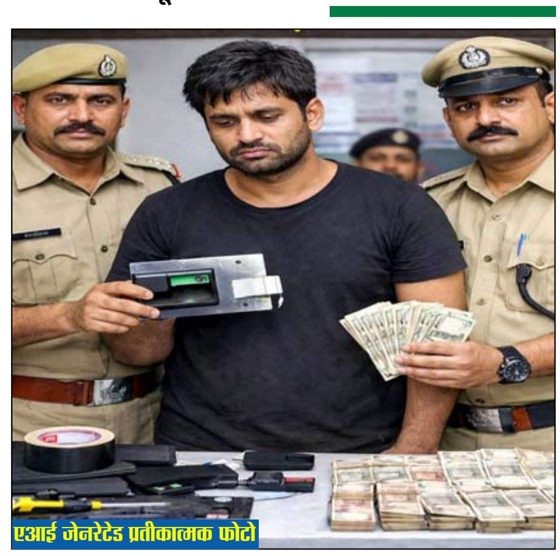

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

सीएफओ दीपक शर्मा को गृह मंत्रालय से मिला सम्मान

अग्निशमन दिवस की पूर्व संध्या पर साहस, नेतृत्व और कर्तव्यनिष्ठा का मिला राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान

» कानपुर, स्वराज इंडिया ब्यूरो

शहर के मुख्य अग्निशामक अधिकारी (सीएफओ) दीपक शर्मा को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं और कर्तव्यनिष्ठा के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा सम्मानित किया जाएगा। अग्निशमन दिवस की पूर्व संध्या पर जारी सूची में उनका नाम शामिल किया गया है, जिससे अग्निशमन विभाग में खुशी की लहर है। दीपक शर्मा को यह सम्मान भीषण अग्निकांड की घटनाओं के दौरान अपने दल का कुशल नेतृत्व करते हुए साहस और वीरता का परिचय देने के लिए दिया जा रहा है। उन्होंने कई चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेते हुए बड़ी संख्या में लोगों के जीवन और संपत्ति की रक्षा सुनिश्चित की।

महानिदेशालय अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक, नई दिल्ली की ओर से उन्हें डीजीएफएस, सीडी एवं एचजी डिस्क तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया है। यह सम्मान अग्निशमन सेवाओं में उनके योगदान और उत्कृष्ट कार्यशैली का प्रमाण है।शहर के अधिकारियों और सहकर्मियों ने इस उपलब्धि पर दीपक शर्मा को बधाई दी है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि यह सम्मान न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे अग्निशमन विभाग के लिए गर्व का विषय है।

क्या है डीजीएफएस, सीडी एवं एचजी डिस्क

यह सम्मान अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड्स के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, साहस और समर्पण के लिए दिया जाता है। यह देश के प्रमुख सम्मानों में से एक माना जाता है, जो कर्तव्य के प्रति असाधारण निष्ठा को दर्शाता है।

नौकरी का झांसा देकर साइबर ठगी कराने वाले दो गिरफ्तार

» कानपुर, स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर जिले के बेकनगंज क्षेत्र में पुलिस ने नौकरी का झांसा देकर विदेश से साइबर अपराध करने के लिये प्रेरित करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त सेंट्रल अतुल श्रीवास्तव ने रविवार को यहां पत्रकारों को बताया कि नावेद नामक युवक ने थाना बेकनगंज पर सूचना दी थी कि उसे नौकरी का झांसा देकर लगभग तीन लाख रुपये की ठगी करते हुए थाईलैंड के रास्ते कंबोडिया भेजा गया, जहां एक जंगल में अत्याधुनिक दूरसंचार उपकरणों से सुसज्जित कमरे में उससे साइबर फ्रॉड कराने का प्रयास किया गया। मामले की गंभीरता से लेते हुए स्वॉट टीम एवं थाना बेकनगंज पुलिस द्वारा तत्परता से कार्रवाई कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में अभियुक्तों ने कम शिक्षित युवकों को झांसा देकर थाइलैंड के रास्ते कंबोडिया भेजकर उनसे साइबर ठगी कराए जाने की बात स्वीकार की गई है। उन्होंने बताया कि अब तक की जांच में छह व्यक्तियों को कंबोडिया भेजे जाने की जानकारी प्राप्त हुई है, जिनमें से तीन भारत वापस आ चुके हैं तथा शेष के संबंध में जानकारी एकत्र कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

शास्त्री नगर में महिला पतंजलि योग समिति का योग शिविर

» प्राणायाम व स्वस्थ जीवन का दिया संदेश

» कानपुर, स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। शास्त्री नगर स्थित छोटा सेंट्रल पार्क में आज दिनांक 14/04/2026 को महिला पतंजलि योग समिति, कानपुर द्वारा प्रातः 5:00 से 7:00 बजे तक योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं व स्थानीय लोगों ने भाग लेकर योग और प्राणायाम के महत्व को समझा।

शिविर में महिला पतंजलि योग समिति हरिद्वार (उत्तराखंड) की राज्य प्रभारी सीमा जौहर तथा केंद्रीय कार्यकारिणी से आई साध्वी देवादिति की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम राज्य कार्यकारिणी की सदस्य सुशीला की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर साध्वी देवादिति और राज्य प्रभारी सीमा जौहर ने उपस्थित जनसमूह को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए विभिन्न प्राणायाम, योगासन एवं आयुर्वेदिक औषधियों की उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने नियमित योग को जीवन में अपनाने पर बल देते हुए कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है।

कार्यक्रम की सफलता में महिला पतंजलि योग समिति कानपुर की सदस्य धनवंती देवी गैरोला, मीना नौटियाल, रंजना भाटिया, सीमा सिंह, सोनिया, उर्मिला सिंह, सुषमा शुक्ला, हीरा शर्मा, तारा, मालती पाल एवं विजय लक्ष्मी का विशेष योगदान रहा। वहीं राघवेंद्र मिश्रा, संजय ऑडिच्या एवं अरुण मिश्रा ने भी सक्रिय भूमिका निभाई।कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की बात कही।

महंगी किताबों की मार: प्राइवेट स्कूलों में 'शिक्षा का कारोबार'

सरकारी किताब 50, प्राइवेट में 700 तक— किसकी मिलीभगत से बढ़ रहा बोझ?

» कानपुर, स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती महंगाई ने अभिभावकों की कमर तोड़ दी है। एक ओर सरकार 'सब पढ़ें, आगे बढ़ें' का नारा दे रही है, वहीं दूसरी ओर निजी स्कूलों में किताबों की कीमतें आसमान छू रही हैं। हालात यह हैं कि जो किताब सरकारी स्कूलों में मात्र ?50 में उपलब्ध है, वही प्राइवेट स्कूलों में ?700 तक बेची जा रही है। इस भारी अंतर ने अभिभावकों के सामने बड़ा आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है।

अभिभावकों का आरोप है कि निजी स्कूल प्रबंधन और प्रकाशकों के बीच मिलीभगत से किताबों के नाम पर खुली लूट मची हुई है। हर साल पाठ्यक्रम में मामूली बदलाव दिखाकर नई किताबें खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है, जिससे पुराने सत्र की किताबें बेकार हो जाती हैं। इससे मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।कई अभिभावकों ने बताया कि बच्चों की फीस के साथ-साथ किताबों और कॉपियों का खर्च इतना बढ़ गया है कि घर का बजट बिगड़ गया है। मजबूरी में उन्हें कर्ज तक लेना पड़ रहा है। सवाल यह उठता है कि आखिर शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इस तरह की मनमानी पर रोक क्यों नहीं लग रही है।

वहीं, प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। जिम्मेदार अफसरों पर आरोप है कि वे इस पूरे मामले में चुप्पी साधे हुए हैं। अभिभावकों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही, जिससे निजी स्कूलों का मनोबल बढ़ता जा रहा है।

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार को इस दिशा में सख्त कदम उठाने की जरूरत है। किताबों की कीमतों पर नियंत्रण, एक समान पाठ्यक्रम और स्कूलों की जवाबदेही तय किए बिना इस समस्या का समाधान संभव नहीं है।

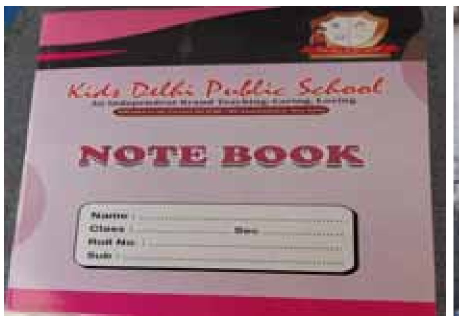

सम्पादकीय

औद्योगिक केंद्रों में छाया संकट

कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौटती वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को दुनिया के कई भागों में जारी युद्ध व संघर्ष ने फिर पटरी से उतार दिया है। महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा मानवता और आम आदमी के जीवन पर भारी पड़ी है। यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति को बाधित जरूर किया, लेकिन उसका असर उतना व्यापक नहीं था, जितना खाड़ी युद्ध का रहा है। जाहिरा तौर पर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से आम आदमी के जीवन पर बहुत नकारात्मक असर पड़ा है। बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की जीवन शैली व थाली पर गहरा प्रभाव डाला है। अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों और इस्राइल की आक्रामकता से उपजे खाड़ी संकट ने एशिया ही नहीं, बल्कि यूरोप, अफ्रीका व अमेरिका की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को संकट में डाल दिया है। संयुक्त राष्ट्र की विफलता के चलते आज दुनिया में 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' वाली कहावत चरितार्थ हुई है। जिसका सीधा असर महंगाई वृद्धि के रूप में सामने आया है। एक ओर ईंधन संकट और उससे बुरी तरह प्रभावित जनजीवन आक्रोश का कारक बना है। विडंबना यह है कि इस महंगाई के बीच कामगारों के वेतन सिकुड़ने लगे हैं। जीवनयापन कठिन होते और कोई समाधान न निकलते देख श्रमिकों का आक्रोश सड़क तक पहुंचने लगा है। सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में फैक्ट्रियों के श्रमिकों द्वारा किया गया हिंसक प्रदर्शन इस संकट की परिणति ही है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा की औद्योगिक नगरी मानेसर में भी पुलिस व श्रमिकों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें आई हैं। ये टकराव भारतीय औद्योगिक तंत्र की विसंगतियों की ही याद दिलाते हैं। इस तरह के हिंसक संघर्ष हमारी कानून-व्यवस्था की विफलता को भी उजागर करते हैं। वहीं बताते हैं कि श्रमिक वर्ग, उद्योग और राज्य सरकार के बीच कहीं न कहीं संवाद की कमी है। यही वजह है कि वेतन बढ़ाने की मांग के समर्थन में शुरू हुआ मार्च कालांतर आगजनी, तोड़फोड़ व यातायात बाधित करने में तब्दील हो गया। निश्चित तौर पर समय रहते इस श्रमिक असंतोष को भांपते हुए बेहतर ढंग से संवाद किया जाता तो शायद टकराव की स्थिति पैदा न होती। दरअसल, सरकारों की तरफ से तो कहा जा रहा है कि देश में ईंधन व गैस आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं है, लेकिन जमाखोरी व प्रशासन की उदासीनता से इसकी कालाबाजारी जारी है। श्रमिक वर्ग जो छोटे गैस सिलेंडरों से जीवन-यापन करता था, उसमें व्यवधान पैदा हो गया। नियंत्रित गैस आपूर्ति से छोटे गैस सिलेंडर भरने का धंधा ठप हो गया। शायद सरकारों को भी इस बात का अहसास नहीं था कि कितना बड़ा श्रमिक वर्ग छोटे गैस सिलेंडरों को भरने के काले धंधे पर निर्भर है। यही वजह है कि हिमाचल समेत कई राज्यों में खाना पकाने के संकट के चलते श्रमिकों के घर लौटने के मामले प्रकाश में आए हैं। लेकिन इस संकट को शासन-प्रशासन के स्तर पर गंभीरता से नहीं लिया गया। निर्विवाद रूप से बढ़ती महंगाई और स्थिर वेतन के बीच बढ़ती खाई से अशांति की जड़ें गहरी होती जा रही हैं। औद्योगिक केंद्रों में कामगार पश्चिम एशिया युद्ध के चलते बढ़ी महंगाई के कारण दबाव में अपना गुजारा करने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। निस्संदेह, हरियाणा द्वारा न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने का निर्णय इस गंभीर वास्तविकता की स्वीकृति को ही दर्शाता है। लेकिन यह भी हकीकत है कि तात्कालिक उपाय के रूप में बातचीत और शिकायतों का फौरी निवारण कारगर विकल्प नहीं हो सकते। हालांकि, अधिकारी अशांति फैलाने में निहित स्वार्थी तत्वों की भूमिका की जांच कर रहे हैं, लेकिन ये घटनाएं व्यवस्थागत अविश्वास को भी दर्शाती हैं।

धर्म और कानून में महासंग्राम के फैसले से सियासत

के.एस तोमर

सबरीमाला प्रकरण के बहाने यह लेख भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका और विधायिका के बीच टकराव का विश्लेषण करता है, जिसमें धार्मिक प्रथाओं पर न्यायिक हस्तक्षेप और चयनात्मक धर्मनिरपेक्षता%पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। लेख मांग करता है कि संवेदनशील मुद्दों पर स्पष्ट कानून या निष्पक्ष न्यायिक निर्णय हो, अन्यथा लोकतांत्रिक बहस व्यवस्था पर हावी हो जाएगी।सबरीमाला प्रकरण के बहाने भारतीय लोकतंत्र में, संसद और संविधान के दायरे में, सियासत और न्यायपालिका के मठाधीशों के नजरिए में, क्या सही है और क्या गलत? क्या जिम्मेदारी है और क्या नहीं?, यह बहस का विषय नहीं होना चाहिए, बल्कि स्पष्ट कार्रवाई नजर आनी चाहिए।

या तो सियासतदान, संसद और विधानमंडलों में कानून स्पष्ट बनाएं या फिर सुलगते सवालों पर न्यायपालिका के न्यायाधीशगण स्वतः संज्ञान लेकर निष्पक्ष न्यायदेश देने की पहल करें, क्योंकि आम जनता का हित सर्वोपरि होना चाहिए। धर्मनिरपेक्षता की आड़ में एक शांति प्रिय धर्म के बारे में सुनवाई और दिशानिर्देश, जबकि दूसरे-तीसरे कट्टर धर्म के बारे में अपेक्षित सुनवाई पर टालमटोल ज्यादा दिन तक नहीं चलने वाला है, क्योंकि प्रबुद्ध हिंदुओं के संज्ञान में सारी बातें आईने की तरह चमक रही हैं और कॉन्वेंट एजुकेटेड लोगों से ज्यादा अपेक्षा भी किसी को नहीं है। लिहाजा, केंद्र सरकार और न्यायमूर्ति के स्टैंड अपनी अपनी जगह पर सही हैं, इसलिए भारतीय जनता के व्यापक हित में फैसला आना चाहिए, न कि पीक एंड चूज! जैसा कि विभिन्न विवादास्पद मामलों में प्रतीत होता है। सरकार और न्यायालय से जुड़े लोगों से बहुमत का पक्ष लेने की अपेक्षा नहीं कि जाती है, बल्कि बिटवीन द लाइंस की तरह ऐसा निर्णय आना चाहिए, जिसपर तर्क-वितर्क की कोई गुंजाइश ही न बने। बीच बहस में पड़ने का दूसरा अदृश्य पहलू यह है कि आम तौर पर किसी न्यायाधीश या नौकरशाह की बुद्धि आम बहुमतधारी नेताओं की बुद्धि से औसत रूप में अच्छी समझी जाती है! फिर भी जब राजनीतिक अतिरेक पर, धार्मिक चुनींदेपन पर, व्यक्तिगत विभेद आदि पर न्यायपालिका और ओछी सियासत के बीच सबकुछ गड्डमड्ड दिखाई देने लगता है तो न्यायिक विवेक और विधायी विवेक के ऊपर सवाल उठाना लाजिमी है। यही पर जनमत को प्रभावित करने वाले संपादकीय विवेक का उत्तरदायित्व बढ़ जाता है! पर दुर्भाग्य की बात है कि इसे भी खुल्लमखुल्ला बाजार बनने को अभिशप्त बना दिया गया है।सुलगता सवाल है कि आखिर विधायिका और न्यायपालिका देश के सुलगते हुए सवालों का हल बीते सात-आठ दशकों में भी क्यों नहीं ढूंढ पाई हैं? वहीं सामाजिक न्याय और साम्प्रदायिक सोच से जुड़े मसलों पर कड़वा सच कहने का हौसला नहीं प्रदर्शित कर पाई। इससे बहुमत का नँगानाच बढ़ा और मानवीयता नकार दी गई। विधिवत पक्षपात दिखता रहा, लेकिन न्यायविदों की खामोशी पीड़ितों की सिसकन पर भारी पड़ी। यह कोई उलाहना नहीं, बल्कि आपकी अंतरात्मा को झकझोरने की एक पहल है। आखिर कई बार न्यायपालिका/कार्यपालिका भीड़तंत्र के समक्ष घुटने टेकती हुई प्रतीत क्यों होती हैं? यक्ष प्रश्न है।खैर, जब जब ऐसा हुआ, उन्हें संपादकीय विवेक सम्मत आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। बावजूद इसके मुद्दे जस के तस बने हुए हैं और व्यवस्था पूंजीवादी सोच के प्रति नतमस्तक नजर आती है, क्योंकि दीपावली उपहार तो किसान-मजदूर-कारीगर कभी दे नहीं सकते। सबसे बड़ा सवाल यह कि भारतीय संविधान के प्रथम संशोधन पर यानी संविधान की नौवीं अनुसूची पर न्यायिक चुप्पी आजतक प्रबुद्ध लोगों को खल रही है, क्योंकि जब सुप्रीम कोर्ट संविधान का संरक्षक है तो ऐसा कोई विषय नहीं छोड़ा जाना चाहिए, जिसकी न्यायिक समीक्षा नहीं हो सके, जैसा कि प्रथम संवैधानिक संशोधन के बाद प्रचलन में आया। यह तो महज एक बानगी है, अन्यथा कार्यपालिका की हरकतों पर न्यायपालिका की लाचारी दिखाती है कि लोकतंत्र आना अभी शेष है!

तीन राज्यों में बंपर वोटिंग ने क्या संदेश दिया

सबसे पहले बात असम की करें तो यहां का मतदान प्रतिशत न केवल पिछले चुनावों से अधिक रहा बल्कि कई क्षेत्रों में रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया। कुल 126 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो पहले के चुनावों के मुकाबले अधिक है।असम, केरल और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों में इस बार जबरदस्त मतदान ने लोकतंत्र की मजबूती का एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। लगभग 80 प्रतिशत के औसत मतदान ने यह संकेत दिया है कि जनता न केवल राजनीतिक रूप से जागरूक है, बल्कि अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

इतना ही नहीं, इस भारी मतदान ने राजनीतिक दलों की धड़कनें भी तेज कर दी हैं, क्योंकि हर दल इसे अपने पक्ष में जनसमर्थन के रूप में देख रहा है। हालांकि इस बंपर मतदान के वास्तविक मायने क्या हैं, यह समझने के लिए तीनों राज्यों का अलग अलग विश्लेषण जरूरी है।असम चुनाव सबसे पहले बात असम की करें तो यहां का मतदान प्रतिशत न केवल पिछले चुनावों से अधिक रहा बल्कि कई क्षेत्रों में रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया। कुल 126 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो पहले के चुनावों के मुकाबले अधिक है। खास बात यह रही कि सोलह निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान नब्बे प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया। दलगांव में तो मतदान लगभग 95 प्रतिशत के करीब रहा, जो राज्य में सबसे अधिक है।असम में चुनावी मुकाबला मुख्य रूप से दो ध्रुवों के बीच रहा। एक ओर भाजपा के नेतृत्व वाला सत्तारुढ़ गठबंधन है जो लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष गठबंधन सत्ता में वापसी के लिए संघर्षरत है। इसके अलावा कुछ क्षेत्रीय दल भी कुछ सीटों पर प्रभाव डालने की स्थिति में हैं।यहां मतदान का एक महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय असमानता के रूप में सामने आया। निचले असम के क्षेत्रों में, जहां अल्पसंख्यक मतदाताओं की संख्या अधिक है, वहां मतदान प्रतिशत अत्यधिक रहा। बरपेटा, बोंगाईगांव और धुबरी जैसे जिलों में मतदान नब्बे प्रतिशत से ऊपर दर्ज किया गया। इसके विपरीत ऊपरी असम के क्षेत्रों में मतदान अपेक्षाकृत कम रहा। इससे यह संकेत मिलता है कि चुनावी उत्साह उन क्षेत्रों में अधिक था जहां मुकाबला अधिक तीखा है।हालांकि मतदान के दौरान कुछ स्थानों पर हिंसा की घटनाएं भी सामने आईं, लेकिन कुल मिलाकर मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही। भारी मतदान को लेकर सत्तारुढ़ नेतृत्व ने इसे ऐतिहासिक बताया और इसे जनता

के विश्वास का प्रतीक माना।केरल चुनावअब केरल की बात करें तो यहां का चुनाव परंपरागत रूप से दो प्रमुख गठबंधनों के बीच होता रहा है। इस बार भी मुख्य मुकाबला सत्तारुढ़ वाम मोर्चा और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ मोर्चे के बीच रहा, जबकि तीसरा विकल्प बनने की कोशिश कर रहा भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में लगा है।केरल में लगभग 77 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो पिछले चुनाव से अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक कोझिकोड जिले में सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया, जबकि कुछ क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ। केरल में इस बार चुनाव का मुख्य सवाल यह रहा कि क्या सत्तारुढ़ गठबंधन लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटेगा या फिर विपक्ष वापसी करेगा? उच्च मतदान को लेकर अलग अलग राजनीतिक दलों ने अलग अलग दावे किए हैं। सत्तारुढ़ पक्ष इसे अपनी नीतियों के समर्थन के रूप में देख रहा है, जबकि विपक्ष इसे बदलाव की इच्छा का संकेत बता रहा है।हम आपको बता दें कि उत्तर केरल यानी मलाबार क्षेत्र इस बार भी चुनावी परिणामों की कुंजी माना जा रहा है। यहां की साठ सीटों पर तीनों प्रमुख राजनीतिक धाराओं की नजर है। पिछले चुनाव में इस क्षेत्र में सत्तारुढ़ दल को बड़ी सफलता मिली थी, लेकिन इस बार विपक्ष यहां बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा है। कई सीटों पर कड़ा मुकाबला और अस्सी प्रतिशत से अधिक मतदान इस क्षेत्र को और भी महत्वपूर्ण बना देता है।पुडुचेरी चुनावअब पुडुचेरी की बात करें तो यहां सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो लगभग नब्बे प्रतिशत के करीब रहा। यह पिछले सभी रिकॉर्ड को पार करता हुआ दिखाई देता है। यहां मुकाबला मुख्य रूप से दो गठबंधनों के बीच है।

विधायक की होर्डिंग ने सोशल मीडिया पर मचाया बवाल, विपक्ष ने घेरा

जयंती की जगह परिनिर्वाण दिवस लिखने पर भीम आर्मी और सपा नेताओं का विरोध

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती से पहले क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर की ओर से लगवाए गए एक होर्डिंग को लेकर सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा हो गया है। होर्डिंग में जयंती की जगह परिनिर्वाण दिवस और विनम्र श्रद्धांजलि लिखे जाने पर लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई है।

मामला सामने आते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तीखी प्रतिक्रियाएं आने लगीं। सपा कार्यकर्ताओं, दलित नेताओं और भीम आर्मी से जुड़े लोगों ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए विरोध शुरू कर दिया। कई यूजर्स ने इसे बाबा साहब के सम्मान के खिलाफ बताते हुए जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की।

उधर, भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं व नेताओं ने ककवन रोड चौराहे पर नारेबाजी कर विरोध जताया। समाजवादी पार्टी की पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह ने भी सोशल मीडिया के जरिए विधायक पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस तरह की गलती अस्वीकार्य है और ऐसे मामलों में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक को बाबा साहब के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी तक नहीं है।

होर्डिंग छापने वाले से मिसप्रिंट हो गई है। मिसप्रिंट किसी से भी हो सकती है। जब इसकी जानकारी हुई तो तुरंत होर्डिंग में सुधार करा दिया गया। चुनाव का समय है, लोग इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने में लगे हैं।
- राहुल बच्चा सोनकर, भाजपा विधायक

विरोध कर नारेबाजी करते भीम आर्मी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता

वहीं, राष्ट्रीय अंबेडकर सेवा भारत के प्रदेश महासचिव एडवोकेट अमित कमल का भी एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने होर्डिंग में हुई गलती को लेकर विधायक को घेरते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। फिलहाल मामला तूल पकड़ता जा रहा है और क्षेत्र में इसे लेकर चर्चाओं का दौर जारी है।

वीडियो वायरल कर युवक ने दी आत्महत्या की धमकी, मचा हड़कंप

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। थाना क्षेत्र के उत्तरी गांव निवासी एक युवक द्वारा सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर आत्महत्या की धमकी देने से इलाके में हड़कंप मच गया। वीडियो में युवक ने अपनी पत्नी, उसके कथित प्रेमी व ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें अपनी संभावित मौत का जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक आत्महत्या की किसी घटना की पुष्टि नहीं हो सकी है।

जानकारी के अनुसार युवक की शादी वर्ष 2023 में हरदोई निवासी युवती से हुई थी। शादी के बाद दोनों गुरुग्राम में रह रहे थे, जहां युवक निजी कंपनी में कार्यरत है। युवक का आरोप है कि उसकी पत्नी को उसी कंपनी में कार्यरत अशरफ नामक युवक प्रेमजाल में फंसाकर अपने साथ भगा ले गया। युवक ने यह भी दावा किया है कि इस पूरे मामले में एक महिला ने भी अशरफ का सहयोग किया। वायरल वीडियो में युवक ने साफ तौर पर कहा है कि वह आत्महत्या करने जा रहा है और अपनी मौत के लिए पत्नी, उसके कथित प्रेमी, ससुर व दोनों साले को जिम्मेदार हैं।

➪ **कहा मेरी मौत के जिम्मेदार अफसाना और पत्नी के साले और ससुर होंगे**

वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं और लोगों में चिंता का माहौल है। हालांकि वायरल हुए वीडियो की आपका अपना स्वराज इंडिया पुष्टि नहीं करता है। इस संबंध में बिल्हौर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार ने बताया कि युवक फिलहाल गुरुग्राम में है। अभी तक थाने में कोई औपचारिक शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। शिकायत मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

वारंटियों पर कसा शिकंजा, बरांडा प्रधान समेत चार गिरफ्तार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। न्यायालय से जारी वारंटों की तामील को लेकर सक्रिय बिल्हौर पुलिस ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे चार वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों में ग्राम पंचायत बरांडा का प्रधान भी शामिल है, जिसकी गिरफ्तारी से क्षेत्र में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

➪ **लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों को पुलिस ने घरों से दबोचा**

कोतवाली प्रभारी सुधीर कुमार के नेतृत्व में चली कार्रवाई के तहत पुलिस टीम ने ग्राम बरांडा निवासी प्रधान राजेश पाल को उनके पुरवा गांव स्थित आवास से दबोच लिया। इसके अलावा अन्य मामलों में वांछित नरेश अग्निहोत्री (सैबसू), रामकुमार और मोहित (दोनों बिरहाना) को भी उनके घरों से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार सभी आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग मामलों में न्यायालय से वारंट जारी थे और ये लंबे समय से गिरफ्तारी से बचते फिर रहे थे। सोमवार को चलाए गए विशेष अभियान में पुलिस ने सटीक सूचना के आधार पर सभी को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

पुलिस गिरफ्त में हाथ पीछे कर स्टाइल में खड़ा ग्राम प्रधान व अन्य वारंटी।

कई और निशाने पर: एसीपी

एसीपी ने बताया की सर्किल क्षेत्र में फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। शेष वांछितों की तलाश में लगातार दबिशें दी जा रही हैं।

जय भीम के उद्घोष के बीच धूमधाम से मनाई डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती

स्वराज इंडिया न्यूज

बिल्हौर (कानपुर)। भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर बिल्हौर, चौबेपुर, शिवराजपुर व ककवन ब्लॉक क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने गांव-गांव पहुंचकर बाबा साहब की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

बिल्हौर तहसील सभागार में आयोजित कार्यक्रम में एसडीएम मनीष कुमार एवं तहसीलदार अनुभव चंद्र ने बाबा साहब के जीवन, संघर्ष और संविधान निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब ने समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को न्याय दिलाने का मार्ग प्रशस्त किया।

➪ **जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने किया माल्यार्पण, गांव-गांव हुए कार्यक्रम**

ग्राम पंचायत मकनपुर में ग्राम प्रधान मज़ाहिर हुसैन के नेतृत्व में जयंती समारोह आयोजित किया गया, जहां ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने सामाजिक समानता, शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।ककवन क्षेत्र में समाजसेवी अमितेश द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मिठाई वितरण किया गया।

वहीं बिल्हौर से भाजपा विधायक राहुल बच्चा सोनकर एवं सपा की पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह गौतम ने भी विभिन्न गांवों में पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया।

उधर डुडवा जमौली में राष्ट्रीय अम्बेडकर सेना भारत के प्रदेश महासचिव अमित कमल एडवोकेट के नेतृत्व में जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता रही, जहां बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।कार्यक्रमों के दौरान पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला और लोगों ने बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया।

ड्यूटी से लौट रहे सिपाही की अज्ञात वाहन की टक्कर से चली गई जान, शोक की लहर

तिरंगा ओढ़ाकर दी अंतिम विदाई, परिजनों में मचा कोहराम, पुलिस ने चालक की तलाश शुरू की

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। ड्यूटी से लौट रहे एक सिपाही की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो जाने से पूरे पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर में घायल हुए आरक्षी ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद पुलिसकर्मियों में गहरा दुख और आक्रोश देखा गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, रसूलाबाद कोतवाली की कहिंजरी पुलिस चौकी में तैनात सिपाही केशव यादव मूल रूप से जनपद आगरा के थाना बरहन क्षेत्र के ग्राम खांडा के निवासी थे। वह ड्यूटी समाप्त करने के बाद बाइक से रसूलाबाद थाने से अपनी चौकी लौट रहे थे। इसी दौरान पहाड़ीपुर गांव के पास हंसानंद कॉलेज के निकट तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि सिपाही सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वह काफी देर तक मौके पर तड़पते रहे। आसपास के लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और घायल सिपाही को महाराणा प्रताप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रसूलाबाद पहुंचाया। जहां डॉ. सौरभ शाक्य ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी समेत थाना पुलिस और अन्य अधिकारी अस्पताल पहुंच गए। अस्पताल परिसर में पुलिसकर्मियों की भीड़ जुट गई और माहौल शोकाकुल हो गया। अपने साथी की असमय मौत से पुलिसकर्मी भावुक नजर आए। वहीं, जैसे ही हादसे की सूचना मृतक के परिजनों को मिली, परिवार में कोहराम मच गया। परिजन रात में ही रसूलाबाद पहुंच गए, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था।

मृतक सिपाही अपने पीछे माता-पिता, पत्नी और बच्चों को छोड़ गए हैं। परिवार की पूरी जिम्मेदारी उन्हीं पर थी, ऐसे में उनकी असमय मौत ने परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है। पुलिस विभाग की ओर से दिवंगत सिपाही को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके पार्थिव शरीर को

तिरंगा ओढ़ाकर सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई दी गई। अधिकारियों ने शोक संतप्त परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।वहीं, पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपी वाहन की पहचान कर उसे जल्द गिरफ्तार किया जा सके। इस हादसे ने एक बार फिर क्षेत्र में सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की आवश्यकता को उजागर कर दिया है।

राजपुर पीएचसी में अव्यवस्थाओं की परतें खुली

सीएमओ के औचक निरीक्षण में दिखी बदहाल व्यवस्था

गंदगी पर सख्त फटकार, वेतन व मूलभूत सुविधाओं की शिकायतों ने खोली स्वास्थ्य तंत्र की पोल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत उस समय उजागर हो गई, जब मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. एके सिंह ने राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में व्याप्त गंदगी और अव्यवस्थाओं ने स्वास्थ्य तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

सीएमओ के पहुंचते ही अस्पताल में कई स्थानों पर गंदगी और लापरवाही के दृश्य सामने आए। इस पर उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई और साफ-सफाई व्यवस्था में तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मरीजों को

स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान ओपीडी और वार्डों की स्थिति का जायजा लेते हुए सीएमओ ने चिकित्सकों को चेतावनी दी कि उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने संचारी रोगों की रोकथाम के लिए चल रहे ÷दस्तक अभियान÷ को केवल कागजी औपचारिकता तक सीमित न रखकर प्रभावी रूप से जमीनी स्तर पर लागू करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद आयोजित बैठक में एएनएम और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं। समय पर वेतन न मिलने की शिकायत पर सीएमओ ने डीसीपीएम निवेदिता चौहान को तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं महिला कर्मचारियों ने अस्पताल में महिला शौचालय के अभाव की गंभीर समस्या उठाई, जिस पर प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. सलिल सचान को शीघ्र निर्माण कराने के निर्देश दिए गए।

सीएमओ ने आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान से संबंधित अभिलेखों की भी समीक्षा की। जानकारी दी गई कि पिछले वित्तीय वर्ष में 164 आशा कार्यकर्ताओं को भुगतान किया जा चुका है, हालांकि इसकी वास्तविक स्थिति को लेकर सवाल बने हुए हैं। निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीएमओ डॉ. आशीष वाजपेयी और डीसीपीएम निवेदिता चौहान भी मौजूद रहीं।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब औचक निरीक्षण में ही स्वास्थ्य केंद्र की ऐसी स्थिति सामने आई, तो सामान्य दिनों में मरीजों को किस स्तर की सुविधाएं मिल रही होंगी। यह स्थिति जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर चिंतन की मांग करती है।

अंबेडकर जयंती पर सामाजिक समरसता की गूंज

» गांव-गांव गूंजे जय भीम के नारे, संविधान के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर मंगलवार को जनपद भर में श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। सरवनखेड़ा से लेकर गजनेर तक गांव-गांव ÷जय भीम÷ के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में लोगों ने बाबा साहब के चित्रों पर माल्यार्पण कर उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

सरवनखेड़ा विकासखंड के तिलौची गांव में ग्राम प्रधान के नेतृत्व में भव्य आयोजन हुआ। ग्रामीणों ने एकजुट होकर बाबा साहब को नमन किया और उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने देश को ऐसा संविधान दिया, जिसने हर वर्ग को समान अधिकार और न्याय की दिशा दिखाई। उनका जीवन संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक समानता का प्रतीक है।इसी क्रम में गजनेर कस्बे में भी जयंती समारोह पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ मनाया गया। यहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों और क्षेत्रीय लोगों ने भाग लेकर बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उनके बताए मार्ग पर चलने का प्रण लिया।ग्राम प्रधानों और वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब के विचार आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। शिक्षा, समानता और अधिकारों के प्रति जागरूकता ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा को अपनाने और समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।पूरे जनपद में आयोजित इन कार्यक्रमों में भारी जनसहभागिता रही। ÷जय भीम÷ के नारों के साथ सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश हर ओर गूंजता रहा। यह आयोजन एक बार फिर साबित करते हैं कि बाबा साहब के विचार आज भी समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरणा के स्रोत बने हुए हैं।

अंबेडकर जयंती पर गूंजा 'जय भीम' सपा कार्यकर्ताओं ने किया भव्य आयोजन

» गोपाल गुप्ता व फैजान खान ने बाबा साहब के विचारों को बताया आज भी प्रासंगिक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मंगलवार को क्षेत्र में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाई गई। विभिन्न स्थानों पर स्थापित अंबेडकर पार्कों में कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां भजन-कीर्तन, माल्यार्पण और मिष्ठान वितरण के साथ 'जय भीम' के नारों से माहौल गूंज उठा।

समाजवादी पार्टी कार्यालय, रसूलाबाद में भी अंबेडकर जयंती का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। सपा जिला कोषाध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय के महान योद्धा थे। सपा जिला उपाध्यक्ष हाजी फैजान खान ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब ने दलितों, शोषितों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र बहादुर राजपूत, सेक्टर प्रभारी ललित कोरी, नीलम कठेरिया, धीरज यादव, अकील खान, अभय गुप्ता चंदन, आरपी पाल, मुमताज अहमद, छोटू यादव, सभासद हाशिम खान, यदुनाथ संखवार, आशीष यादव, नसीम अहमद, मो. हारून, प्रदीप यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नशे में बेटे का खूनी तांडव मां की पीट-पीटकर हत्या

रुपयों के विवाद ने लिया जानलेवा रूप, तीन दिन तक जिंदगी-मौत से जूझती रही महिला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र के बिलसराया गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां शराब के नशे में एक बेटे ने अपनी ही मां की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

गांव निवासी बदलू प्रसाद अपनी पत्नी सुमित्रा (60) के साथ रहते थे। उनके चार बेटे हैं राम प्रताप, श्रीकृष्ण, बलराम और घनश्याम। परिजनों के मुताबिक, श्रीकृष्ण शराब का आदी है और अक्सर नशे में रहता है। बताया गया कि 10 अप्रैल की शाम करीब चार बजे श्रीकृष्ण शराब के नशे में घर पहुंचा और मां से रुपये मांगने लगा।

सुमित्रा द्वारा पैसे देने से इंकार करने पर वह आपा खो बैठा और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे और किसी तरह महिला को बचाया। इसी दौरान यूपी-112 पुलिस को सूचना दी गई। आरोप है कि पुलिस आरोपी को पकड़कर ले गई, लेकिन कुछ देर बाद उसे छोड़ दिया गया।

परिजनों का कहना है कि इसके बाद आरोपी फिर घर लौटा और अकेली मां को पाकर लाठी-डंडों और बेल्ट से बेरहमी से पीट-पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था।

गंभीर हालत में सुमित्रा को पहले मेडिकल कॉलेज अकबरपुर ले जाया गया, जहां हालत नाजुक होने पर उन्हें हैलट अस्पताल, कानपुर रेफर कर दिया गया।

11 अप्रैल को पुलिस ने मामला दर्ज किया। तीन दिन तक जिंदगी और मौत के बीच जूझने के बाद सोमवार सुबह करीब पांच बजे सुमित्रा ने दम तोड़ दिया।

बताया जा रहा है कि आरोपी की पत्नी सोनी करीब डेढ़ माह पहले ही उसकी नशे की आदत से परेशान होकर अपनी दोनों बेटियों के साथ मायके चली गई थी। थानाध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि महिला की इलाज के दौरान मौत की सूचना मिली है। परिजनों की तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

हाइवे पर ऑटो-बाइक की भिड़ंत, महिला समेत तीन घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के झांसी-कानपुर हाइवे पर एक ऑटो और बाइक की टक्कर में महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। हरदुआ एमा गांव निवासी जुबैर अहमद ने बताया कि उनका भतीजा गुलफाम (28) अपनी पत्नी नेहा (26) और गांव की ही रिजवाना (35) के साथ एक ही बाइक पर सवार होकर भोगनीपुर गया था। तीनों शाम को वापस घर लौट रहे थे। झांसी-कानपुर हाइवे पर बिजली घर के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ऑटो ने बाइक में टक्कर मार दी।

हादसे के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने घायलों को सीएचसी भोगनीपुर पहुंचाया। पुखरायां सीएचसी में तैनात डॉ. आरती सिंह ने सभी घायलों का इलाज किया। घटना के बाद कुछ समय के लिए हाइवे पर यातायात बाधित रहा।

खड़े ट्रक में पीछे से घुसा दूसरा ट्रक, चालक घायल

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के हाइवे पर सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से आ रहे दूसरे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। झांसी जनपद के एरच गांव निवासी ओम प्रकाश ने बताया कि उनका मित्र भारत सिंह (28) ट्रक में गिट्टी लादकर झांसी से कुशीनगर जा रहा था। भोगनीपुर क्षेत्र के हरदुआ पुल के पास सामने आ रही एक कार को बचाने के प्रयास में ट्रक असंतुलित हो गया और सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा टकराया। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक चालक भारत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने घायल चालक को सीएचसी पहुंचाया। सीएचसी में डॉक्टर ने हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

गजनेर में चोरों का आतंक, एक हफ्ते में तीसरी बड़ी वारदात से दहशत

» पामा, मंगटा के बाद ज्यूनियां में 6 लाख की चोरी, पुलिस गश्त पर उठे सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)। गजनेर थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाओं ने लोगों की नींद उड़ा दी है। एक ही सप्ताह में लगातार तीन बड़ी वारदातों ने पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पामा में 20 लाख और मंगटा में डेढ़ लाख की चोरी के बाद अब ज्यूनियां गांव में बीती रात करीब 6 लाख रुपये की चोरी ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है।

जानकारी के अनुसार, ज्यूनियां गांव निवासी किसान जय सिंह के घर चोरों ने बेहद सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। मकान के पीछे से छत पर चढ़कर चोर अंदर दाखिल हुए और कमरे में जमीन में गड़ी मटकी को खोद निकाला। इसके बाद मटकी को छत पर ले जाकर तोड़ दिया और उसमें रखी करीब 6 लाख रुपये नकदी, सोने का सिक्का व लगभग 250 ग्राम चांदी के पायल लेकर फरार हो गए।

घटना का पता भोर में तब चला जब छोटे बेटे अभय की नींद खुली और उसने कमरे में सामान बिखरा देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की, लेकिन अब तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। लगातार हो रही चोरियों से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। लोगों का आरोप है कि रात में पुलिस गश्त पूरी तरह नदारद है, जिससे चोर बेखौफ वारदात कर रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि ग्रामीण खुद ही रात में पहरा देने को मजबूर हो गए हैं। थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि मामला प्रथम दृष्टया संदिग्ध लग रहा है और तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जल्द खुलासा न होने पर आंदोलन किया जाएगा।

आटा चक्की पर छेड़छाड़ से आहत किशोरी ने दी जान, गांव में उबाल

» आरोपी गिरफ्तार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

घटना ने उठाए सुरक्षा और सामाजिक चुप्पी पर बड़े सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र के अटियारायपुर गांव में एक नाबालिग किशोरी की आत्महत्या ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। आटा चक्की पर कथित छेड़छाड़ से आहत होकर किशोरी द्वारा फांसी लगाकर जान देने की घटना अब गंभीर सामाजिक और कानूनी मुद्दा बन गई है। गांव में शोक के साथ-साथ भारी आक्रोश का माहौल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी अरविंद सिंह की नाबालिग पुत्री 12 अप्रैल को सरसों पिराने के लिए स्थानीय आटा चक्की पर गई थी। आरोप है कि वहां मौजूद चक्की संचालक पिन्टू दीक्षित (33) ने उसके साथ अशोभनीय हरकत की। इस घटना से मानसिक रूप से आहत किशोरी घर लौटने के बाद गहरे तनाव में रही और देर शाम उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। शुरुआत में मृतका की मां ने सामाजिक दबाव और विवाद के डर से मामले को छिपाने की कोशिश की, लेकिन पिता ने हिम्मत दिखाते हुए थाने में तहरीर देकर सच्चाई सामने लाई। पुलिस ने तत्काल एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और चक्की से जुड़े अन्य लोगों से भी पूछताछ जारी है। घटना के बाद गांव में गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी सजा की मांग करते हुए प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की अपील की है।यह घटना एक बार फिर यह सवाल खड़ा करती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा अब भी चुनौती बनी हुई है। साथ ही, ऐसे मामलों को छिपाने की प्रवृत्ति भी हालात को और गंभीर बना देती है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी घटना को छिपाने के बजाय तुरंत सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई हो।

अम्बेडकर जयंती पर पुलिस का संकल्प संविधान, समानता और न्याय सर्वोपरि

पुलिस लाइन में श्रद्धांजलि, निष्पक्षता और मानवाधिकारों के पालन पर जोर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती पर जनपद में पुलिस विभाग ने श्रद्धा और सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया। पुलिस लाइन परिसर में पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने बाबासाहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार पाण्डेय समेत अन्य अधिकारी और पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में बाबासाहेब के जीवन, संघर्ष और समाज में समानता व न्याय स्थापित करने में उनके योगदान को याद किया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जीवन सामाजिक भेदभाव के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक है और उनके आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं।

उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिया कि ड्यूटी के दौरान निष्पक्षता, पारदर्शिता और मानवाधिकारों का सम्मान बनाए रखें। साथ ही अनावश्यक बल प्रयोग से बचते हुए विवादों का समाधान शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से किया जाए।

पंचायत चुनाव की तैयारियां तेज, मतदाता सूची पुनरीक्षण का संशोधित कार्यक्रम जारी

17-21 अप्रैल तक चलेगा अहम कार्य, 22 अप्रैल को अंतिम प्रकाशन, अवकाश में भी खुले रहेंगे कार्यालय

- 17-21 अप्रैलः मतदाता सूची से जुड़े सभी तकनीकी व प्रशासनिक कार्य
- 22 अप्रैलः निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन
- अवकाश के दिनों में भी खुले रहेंगे निर्वाचन कार्यालय
- नाम जोड़ने, संशोधन और विलोपन का अंतिम मौका
- व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए अधिकारियों को निर्देश
- समयसीमा बढ़ने की कोई संभावना नहीं

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर जनपद में प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश के निर्देशों के तहत निर्वाचक नामावलियों के बृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम में आंशिक संशोधन करते हुए नया शेड्यूल जारी किया गया है। जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) कपिल सिंह ने स्पष्ट किया कि पूरी प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से पूरा कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए हैं।

कपिल सिंह, डीएम, कानपुर देहात

संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 17 अप्रैल से 21 अप्रैल तक मतदाता सूचियों से जुड़े विभिन्न तकनीकी और प्रशासनिक कार्य किए जाएंगे। इसमें मतदाता सूची का कम्प्यूटरीकरण, मतदान केंद्रों का पुनर्संयोजन, मतदान स्थलों की मैपिंग, मतदाता क्रमांक निर्धारण, एसवीएन आवंटन, सूची डाउनलोडिंग और फोटोयुक्त प्रतियों की तैयारी शामिल है। इन सभी प्रक्रियाओं के पूर्ण होने के बाद 22 अप्रैल को निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा, जिसे आम जनता के अवलोकन के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रशासन ने सभी ईआरओ और एईआरओ को अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। सूचना का अधिकतम प्रसार सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर कार्यक्रम प्रदर्शित करने को भी कहा गया है।

इस बार की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण पहल यह भी है कि पुनरीक्षण अवधि के दौरान सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी संबंधित कार्यालय खुले रहेंगे। इससे नागरिकों को अपने नाम जुड़वाने, संशोधन कराने या विलोपन के लिए आवेदन करने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी कपिल सिंह ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समयसीमा के भीतर ही सभी कार्य पूरे किए जाएंगे और इसमें किसी प्रकार का विस्तार नहीं किया जाएगा। ऐसे में आम नागरिकों के पास सीमित समय है, जिसका उन्हें पूरा उपयोग करना होगा।

प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे अपनी मतदाता सूची में दर्ज नाम, पता और अन्य विवरणों का सावधानीपूर्वक सत्यापन करें। यदि किसी प्रकार की त्रुटि पाई जाती है तो उसे तत्काल सुधारने के लिए आवेदन करें।

साथ ही नए पात्र मतदाताओं से भी समय रहते अपना नाम जुड़वाने की अपील की गई है, ताकि कोई भी व्यक्ति अपने मतदान के अधिकार से वंचित न रह जाए। पंचायत चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने की दिशा में यह पुनरीक्षण अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिस पर प्रशासन की विशेष निगरानी बनी हुई है।

चयन वेतनमान में गड़बड़ी पर भड़के शिक्षक, बीईओ को सौंपा ज्ञापन

सेवा पंजिकाएं समय पर न भेजने से बढ़ा आक्रोश, निष्पक्ष जांच की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। चयन वेतनमान की प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और लापरवाही को लेकर शिक्षकों का गुस्सा सोमवार को खुलकर सामने आया। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ, मलासा के बैनर तले बड़ी संख्या में शिक्षक खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

संघ के अध्यक्ष सर्वेश कटियार और संयुक्त मंत्री अश्वनी कटियार के नेतृत्व में पहुंचे शिक्षकों में स्तुति मिश्रा, आरती देवी, अंजली, दिव्या द्विवेदी, यदुनाथ सिंह और रामनरेश कटियार सहित कई शिक्षक शामिल रहे। शिक्षकों ने आरोप लगाया कि चयन वेतनमान जैसे महत्वपूर्ण मामले में विभागीय स्तर पर गंभीर लापरवाही बरती गई है, जिससे पात्र शिक्षक अब तक लाभ से वंचित हैं।

पदाधिकारियों के अनुसार दिसंबर 2025 तक चयन वेतनमान के आदेश जारी हो चुके थे। इसके बाद सेवा पंजिकाएं लेखाधिकारी कार्यालय भेजी जानी थीं, लेकिन संबंधित अधिकारियों की उदासीनता के चलते यह प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं हो सकी। शिक्षकों का कहना है कि समय पर कार्यवाही होती तो सभी को लाभ मिल चुका होता।ज्ञापन में उच्च स्तरीय जांच, दोषियों की जवाबदेही तय करने और सभी पात्र शिक्षकों को शीघ्र वेतनमान का लाभ देने की मांग उठाई गई। बीईओ ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं, शिक्षकों ने चेतावनी दी कि जल्द समाधान न होने पर आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी विभाग की होगी।

ग्राम प्रधानों की हुंकार, प्रशासनिक हस्तक्षेप के खिलाफ सख्त रुख

प्रशासक नियुक्ति पर आपत्ति, लंबित फाइलों के निस्तारण और जर्जर सड़कों-नालियों के पुनर्निर्माण की उठी मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। माती स्थित विकासखंड सरवनखेड़ा सभागार में ग्राम प्रधान संघ की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें ग्राम स्वशासन, प्रशासनिक अधिकारों और ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में मौजूद प्रधानों ने एक स्वर में कहा कि निर्धारित कार्यकाल समाप्त होने के बाद ग्राम प्रधानों के स्थान पर किसी भी प्रकार के प्रशासक की नियुक्ति स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने इसे पंचायती राज व्यवस्था की भावना के खिलाफ बताते हुए लोकतांत्रिक अधिकारों पर आघात करार दिया।

प्रधानों ने लंबित अभिलेखों और पत्रावलियों के समयबद्ध एवं पारदर्शी निस्तारण की मांग भी उठाई। उनका कहना था कि फाइलों के लंबित रहने से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इसके अलावा जल जीवन मिशन के तहत कराए गए कार्यों के चलते क्षतिग्रस्त हुई सड़कों, गलियों और जल निकासी व्यवस्था की खराब स्थिति पर भी चिंता जताई गई। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने इन अवसंरचनाओं के जल्द पुनर्निर्माण की

मांग की।बैठक में ग्राम प्रधान संघ के पुनर्गठन का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। नई कार्यकारिणी के गठन के जरिए संगठन को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। साथ ही ग्राम सभाओं को अधिक सशक्त और जिम्मेदार बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने की बात कही गई।

बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष मनोज पासवान ने की। इस दौरान मो. फिरोज (गजनेर), कासिम खान (संहिता), सुनील कुमार (कौशम), राजकुमार तिवारी (गंगरौली), मुन्ना सिंह (कुरारी), शैलेंद्र (मुक्तापुर), संतोष कुमार (जिठरौली), राकेश (जरेला), महेश (लोहारी), उमा देवी (पतरा), रश्मि (धनजुआ), दीपक यादव (मुहाना), जगतपाल चौहान (चिरौरा), राधेश्याम (मुबारकपुर), लाटा लाल (हिलोटी), संतोष (निनायां) और सोनू (बिल्टी) समेत कई प्रधान मौजूद रहे। अंत में निर्णय लिया गया कि पंचायती राज स्थापना दिवस के अवसर पर बुधवार को विशेष अधिवेशन आयोजित किया जाएगा, जिसमें पंचायतों की भूमिका और अधिकारों पर विस्तार से चर्चा होगी।

चार वर्षीय मासूम ने निगला सिक्का, हालत गंभीर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर कस्बे के कन्हैया नगर में एक मासूम बच्चे के साथ दर्दनाक घटना सामने आई, जहां खेल-खेल में चार वर्षीय बालक ने दो रुपये का सिक्का निगल लिया। सिक्का गले में फंस जाने से उसकी हालत अचानक बिगड़ गई, जिससे परिजनों में हड़कंप मच गया।जानकारी के मुताबिक कन्हैया नगर निवासी भगवान सिंह का चार वर्षीय पुत्र आदित्यम घर में खेल रहा था, तभी उसने गलती से सिक्का निगल लिया। कुछ ही देर में बच्चे को सांस लेने में दिक्कत होने लगी और उसकी हालत बिगड़ने लगी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन घबराए हुए बच्चे को तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) लेकर पहुंचे। वहां मौजूद चिकित्सकों ने सिक्का निकालने के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। इस दौरान बच्चे की हालत लगातार नाजुक होती जा रही थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. हरदीप सिंह ने तत्काल उसे उच्च उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। डॉ. हरदीप सिंह ने बताया कि सिक्का बच्चे के गले में फंस गया है, जो काफी खतरनाक स्थिति पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि बेहतर इलाज के लिए बच्चे को तुरंत मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र में गैस संकट गहराया, उत्पादन ठप होने से उद्योगों पर खतरा

मांग 200 सिलेंडर की, आपूर्ति सिर्फ 24—फैक्ट्रियां बंद, मजदूरों की रोजी-रोटी पर खतरा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर ब्लॉक के सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र में कामर्शियल गैस की भारी किल्लत से उद्योगों की रफ्तार थम गई है। सरकार जहां उद्योगों को बढ़ावा देकर रोजगार सृजन की बात कर रही है, वहीं जमीनी स्तर पर गैस आपूर्ति की अव्यवस्था ने उद्यमियों के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। हालात यह हैं कि मांग के अनुरूप गैस सिलेंडर उपलब्ध न होने से आधा दर्जन से अधिक फैक्ट्रियों में उत्पादन पूरी तरह ठप हो गया है।

औद्योगिक क्षेत्र की प्रमुख इकाइयों मां कामाख्या इंडस्ट्री, मां शारदा पॉलिमर, कटारिया प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड, सत्यम इंडस्ट्रीज और 5जी पाउडर कोटिंग एंड एनोडाइजिंग—पर इस संकट का सीधा असर पड़ा है। इन इकाइयों के अलावा कई अन्य फैक्ट्रियां भी गैस की कमी से जूझ रही हैं, जिससे उत्पादन प्रभावित हो रहा है और बाजार में प्रतिस्पर्धा कमजोर पड़ रही है।उद्यमियों का कहना है कि जिलापूर्ति विभाग को 200 सिलेंडर की मांग भेजी गई थी, लेकिन अब तक केवल 24 सिलेंडर ही उपलब्ध कराए गए हैं। इसे ÷ऊंट के मुंह में जीरा÷ बताते हुए उद्योग जगत ने नाराजगी जताई है। कामाख्या इंडस्ट्री के संचालक सुधांशु गुप्ता के अनुसार, ÷महीने में 40 सिलेंडर की जरूरत होती है, लेकिन डेढ़ महीने में सिर्फ तीन सिलेंडर ही मिले। ऐसे में फैक्ट्री चलाना असंभव हो गया है।इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के जौनपुर चैप्टर अध्यक्ष बृजेश यादव ने बताया कि कई बार जिम्मेदार अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया,

लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला। उद्यमी नेताओं गुलाब चंद पांडेय और सुनील यादव ने चेतावनी दी कि यदि जल्द व्यवस्था नहीं सुधरी, तो उद्योग बंद होने के कगार पर पहुंच जाएंगे और मालिकों के साथ मजदूरों का पलायन भी शुरू हो सकता है। गैस संकट के चलते औद्योगिक क्षेत्र को प्रतिदिन औसतन तीन लाख रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। सबसे अधिक असर मजदूर वर्ग पर पड़ा है, जिनके सामने रोजी-रोटी का संकट गहराता जा रहा है। बावजूद इसके, जिम्मेदार अधिकारियों के आश्वासन अब तक केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

बृजेश कुमार यादव

गुलाब चन्द्र पाण्डेय

सुधांशु जी गुप्ता

सुनील यादव

- » 200 सिलेंडर की मांग के मुकाबले सिर्फ 24 की आपूर्ति, संकट गहराया
- » 5 से अधिक प्रमुख फैक्ट्रियों में उत्पादन पूरी तरह ठप
- » रोजाना करीब 3 लाख रुपये का औद्योगिक नुकसान
- » मजदूरों के सामने रोजगार और पलायन का खतरा
- » विभागों के आश्वासन जमीनी हकीकत से दूर

गिद्धों की मौत का राज खोलने में जुटा वन विभाग, हर एंगल से खंगाली जा रही कड़ी

मुख्य वन संरक्षक के दौरे के बाद जांच और तेज, पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी निगाहें

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। भीरा वन रेंज के सेमरिया गांव में 25 गिद्धों की रहस्यमयी मौत का मामला अब और गंभीर हो गया है। शासन के सख्त निर्देशों के बाद जांच ने रफ्तार पकड़ ली है। मुख्य वन संरक्षक संजय पाठक के मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करने के बाद वन विभाग की टीम हर संभावित कारण की गहराई से पड़ताल में जुट गई है।

घटनास्थल पर निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मृत गिद्धों के आसपास के इलाके, जमीन की स्थिति और संभावित खाद्य स्त्रोतों का बारीकी से अध्ययन किया। प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि गिद्धों की मौत किसी जहरीले तत्व के संपर्क में आने से हुई हो सकती है। वन विभाग अब इस बात की पुष्टि करने में जुटा है कि यह जहर किसी मृत पशु के जरिए फैला या फिर खेतों में इस्तेमाल हो रहे रसायनों का असर था।

मुख्य वन संरक्षक ने साफ किया कि गिद्धों की सामूहिक मौत सामान्य घटना नहीं है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने इसे पर्यावरणीय असंतुलन का गंभीर संकेत बताते हुए कहा कि अगर समय रहते कारणों का पता नहीं लगाया गया, तो इसके दूरगामी दुष्परिणाम हो सकते हैं। जांच के तहत आसपास के गांवों में भी पूछताछ की जा रही है। ग्रामीणों से यह जानकारी जुटाई जा रही है कि हाल के दिनों में कहीं किसी जानवर की संदिग्ध मौत तो नहीं हुई थी। साथ ही, पशु चिकित्सकों और कृषि विभाग से भी समन्वय स्थापित कर रसायनों के उपयोग की जानकारी ली जा रही है।

वन विभाग ने एहतियातन जिले में कीटनाशकों और उर्वरकों की बिक्री पर कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। दुकानदारों को निर्देश दिए गए हैं कि वे हर खरीदार का पूरा रिकॉर्ड रखें, जिससे संदिग्ध उपयोग की स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके। फिलहाल सभी की नजरें पोस्टमार्टम और बिसरा रिपोर्ट पर टिकी हैं, जो इस रहस्यमयी घटना से पर्दा उठाने में अहम भूमिका निभाएंगी।

- » 25 गिद्धों की मौत से वन विभाग में हड़कंप, उच्चस्तरीय जांच जारी
- » जहर से मौत की आशंका सबसे मजबूत, कई एंगल पर एक साथ जांच
- » ˙ में इस्तेमाल रसायनों और मृत पशु दोनों पर फोकस
- » गांव–गांव जाकर टीम जुटा रही अहम सुराग
- » कीटनाशक बिक्री पर सख्ती, हर खरीदार का रिकॉर्ड अनिवार्य
- » पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का असली राज
- » विशेषज्ञों की टीम भी जांच में शामिल होने की तैयारी में
- » पर्यावरण संतुलन पर बड़ा खतरा, गिद्धों की कमी से बढ़ सकता है संक्रमण जोखिम

तरबूज पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की छवि उकेरी, युवा चित्रकार ने बटोरी वाहवाही

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। भारत रत्न डॉ0 भीमराव अंबेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर मैगलगंज कस्बे के एक होनहार युवा चित्रकार अंशुल ने अपनी अनोखी कला का प्रदर्शन करते हुए तरबूज पर बाबा साहब की आकर्षक प्रतिमा उकेर दी। उनकी इस रचनात्मक कलाकृति ने क्षेत्र में लोगों का ध्यान आकर्षित किया और हर कोई उनकी प्रतिभा की सराहना करता नजर आया।

अंशुल ने बेहद बारीकी और धैर्य के साथ तरबूज की सतह पर डॉ0 भीमराव अंबेडकर का चेहरा उकेरा, जिसमें उनकी पहचान से जुड़ी विशेषताएं स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद इस तरह की कलाकारी प्रस्तुत करना अंशुल की मेहनत और कला के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अंशुल की यह कला न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि युवाओं को अपनी प्रतिभा को पहचानने और उसे निखारने का संदेश भी देती है। अंबेडकर जयंती जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर इस तरह की रचनात्मक प्रस्तुति ने आयोजन को और भी खास बना दिया। ज्ञात हो कि हर वर्ष अम्बेडकर जयंती के मौके पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, लेकिन अंशुल की यह अनूठी पहल लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

औरैया मेडिकल कॉलेज में नियमों की हो रही अनदेखी !

प्रधानाचार्य पर मनमानी तैनातियों का मामला गरमाया

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक और उप-प्रधानाचार्य की नियुक्तियों पर उठे सवाल, शासन स्तर पर जांच की मांग तेज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

औरैया। बहुचर्चित औरैया मेडिकल कॉलेज एक बार फिर विवादों में घिर गया है। प्रधानाचार्य डॉ मुकेश वीर पर नियमों को दरकिनार कर मनमानी तरीके से अधिकारियों की तैनाती करने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। इस संवाददाता के हाथ लगे दस्तावेजों के अनुसार 27 फरवरी 2025 को जारी एक पत्र में डॉ मुकेश वीर द्वारा शासनादेश के विपरीत डॉ पवन शर्मा को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) का कार्यभार सौंपे जाने का मामला उजागर हुआ है।

सूत्रों के अनुसार मुख्य चिकित्सा अधीक्षक की नियुक्ति शासन स्तर से की जाती है, लेकिन प्रधानाचार्य द्वारा स्वयं आदेश जारी कर यह जिम्मेदारी सौंपना नियमों के विपरीत माना जा रहा है। बाद में शासन स्तर से डॉ पवन शर्मा को सीएमएस बनाए जाने की पुष्टि हुई, लेकिन उससे पहले की गई तैनाती पर सवाल खड़े हो गए हैं।

मामले में यह भी सामने आया है कि 2 नवंबर 2024 को डॉ पवन शर्मा को उप-प्रधानाचार्य बनाया गया था, जबकि बाद में इसी पद पर डॉ मनोज कुमार मेघवानी की तैनाती कर दी गई। आरोप है कि यह बदलाव भी बिना स्पष्ट प्रक्रिया के किया गया, जबकि ऐसे पदों पर नियुक्ति का अधिकार केवल शासन को होता है।मामला शासन की प्रक्रियाओं और मेडिकल प्रशासन की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़ा कर रहा है। यदि आरोपों की निष्पक्ष जांच होती है, तो कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं।

ट्रामा सेंटर संचालन पर भी उठे सवाल

भगवतीपुर ट्रामा सेंटर के संचालन को लेकर भी विवाद गहराता जा रहा है। आरोप है कि आवश्यक स्टाफ की तैनाती और रिलीविंग में देरी के कारण सेंटर पूरी तरह संचालित नहीं हो पा रहा है, जिसका सीधा असर मरीजों पर पड़ रहा है।

स्थानीय प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

मामले में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि जिला स्तर के अधिकारी पूरे प्रकरण पर चुप्पी साधे हुए हैं,

स्वराज इंडिया
औरैया मेडिकल कॉलेज में भ्रष्टाचार का बड़ा आरोप

औरैया जिले का मेडिकल कॉलेज बन गया भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा गढ़ !

जिससे स्थिति और गंभीर होती जा रही है। इस पूरे प्रकरण को लेकर अधिवक्ता विनोद कुमार ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई तो जनहित में उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा।

सोनभद्र जंगल में फंसे 10 श्रद्धालु, 8 घंटे के ऑपरेशन में पुलिस ने किया रेस्क्यू

» विजयगढ़ किला घूमने के बाद रास्ता भटके, मोबाइल बंद होने से बढ़ी मुश्किलें

» टॉर्च-लाउडस्पीकर के सहारे सर्च ऑपरेशन, महिलाएं-बच्चे समेत सभी सुरक्षित बाहर निकाले

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां विजयगढ़ किला घूमने आए 10 श्रद्धालु जंगल में रास्ता भटक गए। किला भ्रमण के बाद लौटते समय अंधेरा हो जाने के कारण सभी घने जंगल में फंस गए। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब उनका मोबाइल फोन भी बंद हो गया और चारों ओर सन्नाटा छा गया।

मामले की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार और क्षेत्राधिकारी राज सोनकर की निगरानी में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। सोमवार रात करीब 8~20 बजे सूचना मिली कि वाराणसी और मिर्जापुर से आए श्रद्धालु किले की मजार पर दर्शन के बाद लौटते समय जंगल में भटक गए हैं।थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस और पीआरवी टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घने जंगल में तलाश शुरू की। मोबाइल बंद होने के कारण लोकेशन ट्रेस करना मुश्किल था, ऐसे में पुलिस ने टॉर्च, सीटी और लाउडस्पीकर की मदद से सर्च अभियान चलाया। करीब 6 से 8 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

रेस्क्यू किए गए लोगों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल थे। सभी ने सुरक्षित बाहर आने के बाद पुलिस का आभार जताया। इस अभियान में थाना प्रभारी विनोद यादव, चौकी प्रभारी मनोज कुमार सिंह समेत पूरी टीम की अहम भूमिका रही।पुलिस ने लोगों से अपील की है कि जंगल या अपरिचित स्थानों पर जाते समय सावधानी बरतें, स्थानीय मार्गदर्शन लें और समूह से अलग न हों, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

बीएचयू की बड़ी उपलब्धि

स्ट्रॉबेरी-फोर्टिफाइड दही तैयार 34 पोषक तत्वों से भरपूर नवाचार

» बीआरएबीयू कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय के नेतृत्व में शोध, अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी/मुजफ्फरपुर। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) की शोध टीम ने डेयरी विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पोषक तत्वों से भरपूर स्ट्रॉबेरी-फोर्टिफाइड 'सेट दही' विकसित किया है। यह शोध बीआर अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय (बीआरएबीयू) के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित जर्नल 'एप्लाइड फूड रिसर्च' (इम्पैक्ट फैक्टर 6.2) में प्रकाशित किया गया है।

शोध के दौरान अत्याधुनिक 'मेटाबोलॉमिक्स' तकनीक का उपयोग करते हुए इस विशेष दही में कुल 34 बायोएक्टिव यौगिकों की पहचान की गई। इनमें अल्फा-लिनोलेनिक एसिड और एलाजिक एसिड जैसे महत्वपूर्ण तत्व शामिल हैं, जो कैंसर प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, शरीर में सूजन कम करने और हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक माने जाते हैं।

शोध टीम ने पाया कि दही में 8त्न फ्रीज-ड्राइड स्ट्रॉबेरी पाउडर का मिश्रण स्वाद, रंग और पोषण के लिहाज से सबसे बेहतर परिणाम देता है। यह नवाचार न केवल उपभोक्ताओं को बेहतर पोषण देगा, बल्कि डेयरी उद्योग में वैल्यू-एडेड उत्पादों के उत्पादन को भी बढ़ावा देगा।

प्रो. दिनेश चंद्र राय ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि यह शोध भारतीय डेयरी क्षेत्र को नई दिशा देने वाला है। उन्होंने अपनी टीम के समर्पण और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की सराहना करते हुए कहा कि निरंतर प्रयासों से ही इस स्तर की सफलता संभव हो पाई है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह शोध भविष्य में पोषण आधारित खाद्य उत्पादों के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उल्लेखनीय है कि पिछले दो वर्षों में प्रो. राय का यह 31वां उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय शोध प्रकाशन है।

इस उपलब्धि पर बीएचयू और बीआरएबीयू के शिक्षकों, शोधार्थियों और पूर्व छात्र समुदाय में खुशी की लहर है। अकादमिक जगत ने इसे भारतीय वैज्ञानिक क्षमता और नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण बताया है।

अमेरिकी नाकेबंदी को चीन की सीधी चुनौती

2.5 लाख बैरल मेथेनॉल लेकर खाड़ी से निकला जहाज, वैश्विक ऊर्जा और भू-राजनीति में बढ़ा तनाव

होर्मुज में टकराव की आहट

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया के सबसे संवेदनशील समुद्री मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक बड़ा भू-राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है, जिसने वैश्विक शक्ति संतुलन को झकझोर दिया है। अमेरिकी नाकेबंदी के बीच चीन से जुड़ा प्रतिबंधित टैंकर 'रिच स्टैरी' इस जलमार्ग को पार कर खाड़ी से बाहर निकल गया। यह कदम न केवल अमेरिकी प्रतिबंधों को सीधी चुनौती माना जा रहा है, बल्कि इससे अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी रायटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, शिपिंग ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म एलएसईजी, मरीनट्रैफिक और केप्लर के डेटा से पुष्टि हुई है कि 'रिच स्टैरी' नामक मीडियम रेंज टैंकर लगभग 2.5 लाख बैरल मेथेनॉल लेकर संयुक्त अरब अमीरात के हमरियाह पोर्ट से रवाना हुआ और सफलतापूर्वक होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर गया।

इस टैंकर का स्वामित्व शंघाई शुआनरुन शिपिंग कंपनी लिमिटेड के पास है, जिस पर पहले से ही अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं। इसके बावजूद जहाज का इस संवेदनशील क्षेत्र से गुजरना यह संकेत देता है कि चीन अब अमेरिकी दबाव के आगे झुकने को तैयार नहीं है। चीन के रक्षा मंत्री डोंग जुन ने इस घटनाक्रम के बाद स्पष्ट बयान देते हुए कहा कि चीन अपने व्यापारिक और ऊर्जा हितों की रक्षा करेगा और उसके जहाज अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में निर्बाध रूप से आते-जाते रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के साथ हुए ऊर्जा समझौते जारी रहेंगे और किसी बाहरी दबाव को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

दूसरी ओर, अमेरिका ने अपनी स्थिति को और सख्त करते हुए कहा है कि वह ईरान से जुड़े किसी भी समुद्री व्यापार को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, नाकेबंदी का उद्देश्य क्षेत्र में ईरान के प्रभाव को सीमित करना और अवैध ऊर्जा व्यापार को रोकना है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना केवल एक जहाज के गुजरने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बड़े रणनीतिक टकराव का संकेत है। चीन और अमेरिका के बीच पहले से चल रही आर्थिक और सैन्य प्रतिस्पर्धा अब समुद्री मार्गों तक पहुंच चुकी है।

प्रतिस्पर्धा अब नए आयाम ले रही

'रिच स्टैरी' का होर्मुज जलडमरूमध्य पार करना केवल एक समुद्री घटना नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव का संकेत है। चीन और अमेरिका के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा अब नए आयाम ले रही है, जिसमें समुद्री मार्ग, ऊर्जा सुरक्षा और भू-राजनीतिक प्रभाव शामिल हैं। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या यह टकराव कूटनीतिक स्तर पर सुलझेगा या वैश्विक संकट का रूप लेगा।

- 'रिच स्टैरी' पहला प्रतिबंधित टैंकर जो नाकेबंदी के बाद होर्मुज पार कर गया
- 2.5 लाख बैरल मेथेनॉल लेकर यूएई से हुआ था रवाना
- जहाज की मालिक कंपनी पहले से अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में
- चीन ने अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में स्वतंत्र आवाजाही का अधिकार दोहराया
- अमेरिका ने नाकेबंदी जारी रखने की चेतावनी दी

संभावित सैन्य तनाव

यदि ऐसी घटनाएं बढ़ती हैं, तो यह क्षेत्र सैन्य टकराव की ओर बढ़ सकता है, जिससे वैश्विक शांति और व्यापार दोनों प्रभावित होंगे।

ईरान की भूमिका

ईरान इस पूरे घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। उसकी बंदरगाह गतिविधियों और चीन के साथ बढ़ते संबंधों ने अमेरिका की चिंता बढ़ाई है।

ऊर्जा आपूर्ति पर असर

होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग 20% तेल का परिवहन होता है। ऐसे में किसी भी प्रकार का तनाव वैश्विक तेल कीमतों में उछाल ला सकता है।

चीन की रणनीतिक चाल

चीन ने यह कदम उठाकर स्पष्ट कर दिया है कि वह ऊर्जा सुरक्षा को लेकर आक्रामक रुख अपनाने को तैयार है, खासकर जब उसका बड़ा हिस्सा मध्य-पूर्व से आता है।

अमेरिकी दबाव की परीक्षा

यह घटना अमेरिकी प्रतिबंध नीति की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करती है। अगर अन्य देश भी ऐसा करने लगे, तो प्रतिबंधों का असर कमजोर पड़ सकता है।

नोएडा बवाल के बाद सरकार सख्त, न्यूनतम मजदूरी में अंतरिम बढ़ोतरी लागू

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

लखनऊ। नोएडा में हालिया श्रमिक बवाल के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए न्यूनतम मजदूरी में अंतरिम बढ़ोतरी लागू कर दी है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गठित हाई पावर कमेटी की सिफारिशों के आधार पर प्रदेश को तीन श्रेणियों में विभाजित कर नई मजदूरी दरें तय की गई हैं। इनमें नोएडा-गाजियाबाद जैसे औद्योगिक क्षेत्र, नगर निगम क्षेत्र और अन्य जिलों के लिए अलग-अलग दरें निर्धारित की गई हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि ये नई दरें 1 अप्रैल से प्रभावी मानी जाएंगी और इससे कम वेतन देना अब कंपनियों के लिए संभव नहीं होगा।

जारी आदेश के अनुसार अकुशल श्रमिकों के लिए मासिक वेतन 11,313.65 रुपये, अर्धकुशल के लिए 12,446 रुपये और कुशल श्रमिकों के लिए 13,940.37 रुपये निर्धारित किया गया है। दैनिक मजदूरी भी इसी अनुपात में तय की गई है। सरकार ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रही 20 हजार रुपये न्यूनतम वेतन की खबर को पूरी तरह भ्रामक और निराधार बताया है

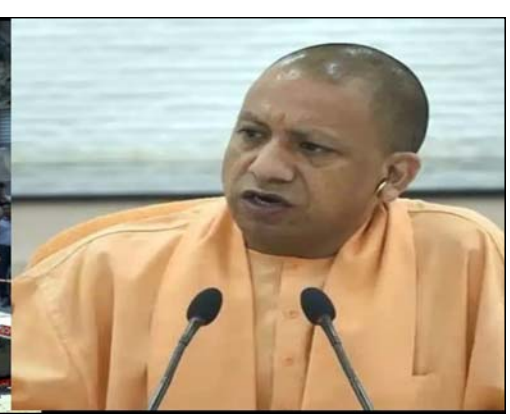

तथा लोगों से केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की है। सरकार ने नियोक्ताओं को निर्देश दिए हैं कि वे श्रमिकों को समय पर वेतन, ओवरटाइम भुगतान, साप्ताहिक अवकाश, बोनस और सामाजिक सुरक्षा जैसे अधिकार सुनिश्चित करें। साथ ही महिला श्रमिकों की सुरक्षा और सम्मान को लेकर भी सख्त निर्देश जारी किए गए हैं।

वहीं, नोएडा में हुए बवाल को लेकर श्रम मंत्री अनिल राजभर ने इसे संभावित साजिश करार दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था और विकास को बाधित करने के उद्देश्य से इस तरह की घटनाएं कराई जा सकती हैं। हालांकि, इस बयान के साथ ही यह बहस भी

➪ **तीन श्रेणियों में नई दरें तय, 1 अप्रैल से प्रभावी, अफवाहों पर सरकार ने दी सफाई**

तेज हो गई है कि क्या हर श्रमिक आंदोलन को साजिश के नजरिए से देखना उचित है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस घटना के पीछे श्रमिकों की वेतन और श्रम कानूनों से जुड़ी वास्तविक समस्याएं भी हो सकती हैं। ऐसे में सरकार के सामने दोहरी चुनौती है एक ओर किसी भी साजिश की निष्पक्ष जांच और दूसरी ओर श्रमिकों की शिकायतों का समाधान। सरकार ने अधिकारियों को मौके पर भेजकर संवाद प्रक्रिया शुरू करने की बात कही है।

यह पूरा घटनाक्रम संकेत देता है कि औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक असंतोष को केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा मानकर नहीं देखा जा सकता। संवाद, पारदर्शिता और विश्वास के जरिए ही 'श्रमेव जयते' का संकल्प साकार हो सकता है, अन्यथा ऐसे बवाल भविष्य में भी सामने आते रहेंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उ.प्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उ.प्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853,
❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com